प्रेस विज्ञप्ति (03.07.2023)

माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के कर कमलों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास-मधुमास का लोकार्पण

03 जुलाई, 2023 को गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नई दिल्ली में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एक अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास 'मधुमास' का उद्घाटन माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के कर कमलों द्वारा किया गया । इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री कैलाश चौधरी, डॉ. हिमांशु पाठक , महानिदेशक एवं सचिव डेयर, डॉ. टीआर शर्मा, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), डॉ. आर.सी. अग्रवाल, उप महानिदेशक (कृषि शिक्षा), डॉ डीके यादव, एडीजी (बीज), श्री ए के गुप्ता, एडीजी सी पी डब्ल्यू डी, डॉ अनुपमा सिंह, डीन और संयुक्त निदेशक (शिक्षा), डॉ आर.एन पडारिया संयुक्त निदेशक (विस्तार), श्री पुष्पेंद्र, रजिस्ट्रार और संयुक्त निदेशक (प्रशासन) भी इस अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम के आरंभ में महानिदेशक एवं सचिव डेयर डॉ. हिमांशु पाठक ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और नई शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन में आई.सी.ए.आर की भूमिका और भारत में कृषि शिक्षा को मजबूत करने में आई.ए.आर.आई के योगदान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान (आई.ए.आर.आई) के गौरवशाली अतीत के बारे में बताया और इस बात पर प्रकाश डाला कि संस्थान के वैज्ञानिकों ने कृषि के विकास में बहुत योगदान दिया है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि देश में कृषि विकास के विभिन्न आयामों में आईएआरआई का योगदान अभूतपूर्व रहा है। आईएआरआई के पूर्व छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में कई प्रतिष्ठित पदों के अलावा विश्व खाद्य पुरस्कार के साथ-साथ पद्म पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उन्होंने नीम लेपित यूरिया के साथ-साथ फसलों, बागवानी, तिलहनों में विभिन्न किस्मों के विकास जैसी अनुसंधान गतिविधियों में आईएआरआई के योगदान पर भी प्रकाश डाला।

माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, श्री कैलाश चौधरी ने अपने संबोधन में अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास के निर्माण पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि इसके द्वारा भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान को वैश्विक मानकों के साथ एक बहु-विषयक विश्वविद्यालय के रूप में विकसित होने में मदद मिलेगी। उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित उन्नत फसल किस्मों और प्रौद्योगिकियों का उल्लेख करते हुए देश के लिए संस्थान के योगदान की सराहना की जिसने भारत की खाद्य और पोषण सुरक्षा को साकार करने में योगदान दिया है। उन्होंने चार विषयों में स्नातक कार्यक्रम,यथा बी.एससी. (कृषि), बी.टेक. (कृषि अभियांत्रिकी), बी.टेक. (जैव प्रौद्योगिकी), और बी.एस सी. (सामुदायिक विज्ञान) शुरू करने के लिए संस्थान के निदेशक को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इससे उच्च शिक्षा के लिए गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति विकसित करने में मदद मिलेगी और साथ ही युवा छात्रों की उपस्थिति परिसर को और अधिक जीवंत बनाएगी। उन्होंने कहा कि जिन छात्रों को संस्थान में दाखिला मिला है, वे कृषि से जुड़ी नई तकनीकें सीखनी चाहिए और उन्हें बेहतर खाद्य उत्पादन और उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए अपने गांवों में लागू भी करना चाहिए।

माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने अनुसंधान, शिक्षा और शिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि देश की खाद्य सुरक्षा हासिल करने में भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान के योगदान का पूरा विश्व सम्मान करता है। संस्थान की अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और छात्रों की बढ़ती नामांकन दर को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार की बहुमूल्य मदद से उच्च गुणवत्ता वाली सुविधाओं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों वाले छात्र-केंद्रित छात्रावासों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास "मधुमास" के निर्माण एवं लोकार्पण के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने बताया कि छात्रावास में 504 छात्र रह सकते हैं जिसमें 400 एकल बिस्तर वाले कमरे शामिल हैं; बाथरूम और रसोई के साथ 56 सिंगल बेड वाले कमरे और 48 पारिवारिक अपार्टमेंट हैं। छात्रावास

परिसर में फूड कोर्ट, व्यायामशाला, रेस्तरां, सौर ऊर्जा प्रणाली, वर्षा जल संचयन प्रणाली, जनरेटर आधारित पावर बैक अप, वाई-फाई नेटवर्क,. आदि हैं। उन्होंने कहा कि सफलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से ज्ञान प्राप्त करने के लिए भोजन और रहने की अच्छी व्यवस्था की ज़रूरत है। विशेषकर यदि छात्र विदेश से आते हैं तो उनके लिए विशेष व्यवस्था की आवश्यकता होती है जैसे पारिवारिक आवास, स्वदेशी भोजन, आधुनिक उपकरणों का उपयोग, व्यायामशाला आदि।

उन्होंने कहा कि अमृत काल में संस्थान को कृषि के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के उच्च मानकों के साथ खुद को एक वैश्विक विश्वविद्यालय बनाने के लिए आगे बढ़ना है और यह अंतर्राष्ट्रीय छात्रावास इस सपने को साकार करने की दिशा में एक उपयुक्त कदम होगा। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और कृषि के सामने बढ़ती खाद्य मांग सहित चुनौतियों और वैज्ञानिकों की बढ़ती जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला, लेकिन यह भी विश्वास जताया कि भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान (आई.ए.आर.आई)इन मुद्दों को संबोधित करने में सफल होंगे।

अंत में, माननीय निदेशक आईसीएआर-आईएआरआई नई दिल्ली डॉ. ए.के. सिंह द्वारा औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि विदेशी और प्रवासी छात्रों का आकर्षित करने के सभी आधुनिक सुविधाएं यहाँ उपलब्ध हैं, । केन्द्रीय कृषि मंत्री, राज्य कृषि मंत्री, डेयर सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ छात्रावास परिसर में वृक्षारोपण किया और छात्रावास की सुविधाओं का दौरा किया।

Press Release (03.07.2023)

Shri Narendra Singh Tomar, Union Minister of Agriculture and Farmer Welfare Inaugurated International Hostel -Madhumaas at IARI, New Delhi

Inauguration of International Hostel -Madhumaas at IARI, New Delhi

On the auspicious occasion of Guru Purnima on July 03rd 2023, an International Hostel 'Madhumaas' equipped with modern amenities was inaugurated by Honourable Union Minister of Agriculture and Farmer Welfare, Shri Narendra Singh Tomar. The inauguration programme was graced by the Union Minister of State, Shri Kailash Choudhary, Director General and Secretary DARE, Dr. Himanshu Pathak, Dr. T.R. Sharma, DDG (Crop Science), Dr. R.C. Agrawal, DDG (Agricultural Education), Dr. D.K Yadav, ADG (Seeds), Sh. A. K. Gupta, ADG- CPWD, Dr. Anupama Singh, Dean and Joint Director (Education), Dr. R.N Padaria, Joint Director (Extension), Sh. Pushpendra, Registrar and Joint Director (Administration). Dr. Himanshu Pathak in his welcome address highlighted the role of ICAR in the implementation of New Education Policy -2020 and the glorious contributions of IARI in strengthening the agricultural research, education and extension in India. He highlighted that IARI's contribution have been phenomenal in various dimensions of the agricultural development in the country. IARI alumni have been honored with prestigious awards like World Food Prize as well as Padma Awards besides several coveted positions in International Organizations. IARI has made significant contributions in food security through development of improved varieties and technologies, while basmati, paddy varieties account for more than 90 per cent export and wheat varieties account for more than 50 % production of wheat in India.

Honorable Union Minister of State, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Shri Kailash Chaudhary in his address expressed his happiness on the construction of the International hostel that will help IARI to develop as a multi-disciplinary university with global standards. He applauded the contribution of the Institute by mentioning the advanced crop varieties and technologies developed by the institute that have contributed towards realization of food and nutritional security of India. He congratulated the Director, IARI for starting the UG programmes in 4 subjects including B.Sc. (Agriculture), B.Tech. (Agriculture Engineering), B.Tech. (Biotechnology), and B.Sc. (Community Science) in which 158 national level students have been enrolled. He said that it will help to develop quality manpower for higher education and at the same time the presence of young students

will make the campus more vibrant. He added that the students who have been admitted in the Institute should learn the new techniques and implement them in their own villages to ensure enhanced food production and productivity.

Honorable Union Minister of Agriculture and Farmer Welfare, Shri Narendra Singh Tomar appreciated ICAR-IARI team for making significant contribution in research, education and teaching. He said that the whole world respects the contribution of IARI towards the attainment of food security by the country. Keeping in view, the international education of the institute and the increasing enrolment rate of students, student-centric hostels with high quality facilities and international standards are being constructed with the valuable help of the Government of India. He congratulated everyone on the occasion of inauguration of International Hostel, "Madhumas" which is equipped with all the modern amenities. He said that in Amrit kaal, the Institute has to step forward to make itself a global university with high standards of education and research in the field of agriculture and this International Hostel will be an apt step towards realizing this dream. He highlighted the challenges including climate change and increasing food demand being faced by agriculture and the increased responsibilities of the scientists but also showed his trust that IARI will succeed in addressing these issues.

The hostel can accommodate 504 students and includes 400 single bedded rooms; 56 single bedded rooms with bathroom and kitchen; and 48 family apartments. The hostel complex has Food Court, Gymnasium, Restaurant, Solar Energy System, Rain Water Harvesting System, Generator Based Power Back Up, Wi-Fi Network, R. O. etc.

At last, formal vote of thanks was proposed by Dr. A. K. Singh, Director ICAR-IARI, New Delhi. He highlighted that with such arrangements, we can get the attraction of foreign and expatriate students. Union Minister along with Union MOS, Secretary DARE & DG- ICAR and other dignitaries planted trees in the premises of the hostel and visited the facilities of hostel.